

हरित परिवर्तन, लेकिन कोयला-समृद्ध राज्यों के बिना नहीं

इंडियन एक्सप्रेस

पेपर-III (भारतीय अर्थव्यवस्था)

भारत ने बिजली संयंत्र निर्माण की लहरें देखी हैं। नई नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं से मुख्य रूप से कुछ राज्यों को लाभ होता है, जबकि अन्य पर वित्तीय दबाव पड़ता है। यह सुनिश्चित करने के लिए समाधान की आवश्यकता है कि परिवर्तन से सभी राज्यों को लाभ हो।

भारत के विद्युत क्षेत्र के विकास का इतिहास क्या है?

- ❖ **पहली लहर (1970 के दशक के मध्य से 1990 के मध्य तक):** केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों (पीएसयू) ने नेतृत्व किया।
 - ❏ उल्लेखनीय कृतियों में शामिल हैं: एनटीपीसी और कोल इंडिया।
 - ❏ इसका उद्देश्य राज्य बिजली आपूर्ति में असंतुलन को ठीक करना है। प्रारंभिक संयंत्र रणनीतिक रूप से कई राज्यों की सेवा के लिए लगाए गए थे।
- ❖ **दूसरी लहर (2000-2015):** विद्युत अधिनियम, 2003 द्वारा ट्रिगर किया गया।
 - ❏ निजी प्रमोटरों ने एक प्रमुख भूमिका निभाई।
 - ❏ नए संयंत्र अधिकतर मध्य, पश्चिमी और दक्षिणी भारत में स्थित हैं।
 - ❏ बिजली में निजी निवेश औद्योगिक मांग और मजबूत वित्त वाले राज्यों पर केंद्रित है।

भारत के ऊर्जा मिश्रण में कोयले का क्या महत्व है?

- ❖ **निरंतर उपयोग और निवेश:** कोयला भारत के ऊर्जा परिदृश्य का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बना हुआ है।
- ❖ **नए बिजली संयंत्र:** बिजली मंत्री ने नए कोयला बिजली संयंत्र बनाने की योजना की घोषणा की है।
- ❖ **चरम बिजली की समस्याओं को संबोधित करना :** बिजली की मौसमी मांग में वृद्धि को प्रबंधित करने के प्रयासों में कोयले पर निर्भरता स्पष्ट है।

ऊर्जा संक्रमण क्या है?

- ❖ वर्तमान संदर्भ में, ऊर्जा संक्रमण से तात्पर्य ऊर्जा उत्पादन और उपभोग की जीवाश्म-आधारित प्रणालियों से नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों में ऊर्जा क्षेत्र के परिवर्तन से है। इसमें कार्बन उत्सर्जन (अन्य ग्रीनहाउस गैसों) को समाप्त नहीं तो कम करने के लिए ऊर्जा मिश्रण में बदलाव शामिल है।
- ❖ भारत के संदर्भ में 2030 तक, सौर और पवन उत्पादन क्षमता का 51% हिस्सा हो सकता है। सौर और पवन का योगदान 2019 में 8.3% से बढ़कर 2030 तक 31% हो सकता है।

नवीकरणीय ऊर्जा परिवर्तन के निहितार्थ क्या हैं?

- ❖ **वितरण में क्षेत्रीय असमानताएँ:** अगस्त 2023 तक, आठ राज्यों ने सभी नवीकरणीय ऊर्जा का 92.5% उत्पादन किया। मुख्य रूप से पश्चिमी और दक्षिणी राज्यों को फायदा हो रहा है।
- ❖ **पुनः गरीब राज्यों के लिए चुनौतियाँ:** कोयला रॉयल्टी (एक प्रमुख राजस्व), घट जाएगी। इन राज्यों के लिए बिजली खरीद लागत बढ़ेगी जिससे बजट घाटा होगा।
- ❖ **राज्य बनाम संघ तनाव:** राजस्व, बिजली संचालन और संक्रमण लागत पर असहमति। राज्य ट्रांसमिशन कंपनियां आरई परियोजनाओं की एकीकरण लागत वहन करती हैं।

संतुलित ऊर्जा संक्रमण क्या सुनिश्चित कर सकता है?

- ❖ **पुनः गरीब राज्यों के लिए समर्थन:** कम नवीकरणीय ऊर्जा वाले राज्यों को संक्रमण में अधिक भागीदारी की आवश्यकता है।
- ❖ **वित्तीय सहायता:** कम नवीकरणीय संसाधनों वाले राज्यों में आरई परियोजनाओं के लिए अधिमान्य ऋण प्रदान करें।
- ❖ **संघीय वार्ता में वृद्धि:** अंतर-राज्य परिषद जैसे संस्थानों को पुनर्जीवित करके, संभवतः गरीब राज्यों को सत्ता चर्चा में एक बड़ी आवाज दें।
- ❖ **वित्तीय हस्तांतरण:** वित्त आयोग आरई-गरीब राज्यों को स्पष्ट वित्तीय सहायता प्रदान कर सकता है।
- ❖ **सहयोगात्मक नीतियाँ:** न्यायसंगत परिवर्तन तंत्र और सहयोगात्मक औद्योगिक नीतियों को लागू करें।
- ❖ **समतामूलक हरित नीति:** सुनिश्चित करें कि सभी राज्य, न कि केवल ऐतिहासिक रूप से विशेषाधिकार प्राप्त राज्य, हरित औद्योगिक नीति से लाभान्वित हों।

संभावित प्रश्न (Expected Question)

प्रश्न : भारत में नवीकरणीय ऊर्जा के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें-

1. भारत के संदर्भ में, 2030 तक, सौर और पवन उत्पादन क्षमता का 51% हिस्सा हो सकता है।
2. अगस्त 2023 तक, आठ राज्यों ने सभी नवीकरणीय ऊर्जा का 92.5% उत्पादन किया।

उपर्युक्त में से कौन सा/से कथन सत्य है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

Que. Consider the following statements with reference to renewable energy in India:

1. In the context of India, by 2030, solar and wind can account for 51% of the generation capacity.
2. By August 2023, eight states will produce 92.5% of all renewable energy.

Which of the statements given above is/are correct?

- (a) Only 1
- (b) Only 2
- (c) Both 1 and 2
- (d) Neither 1 nor 2

उत्तर : c

संभावित प्रश्न व प्रारूप (Expected Question & Format)

प्रश्न : भारत के ऊर्जा मिश्रण में कोयले का क्या महत्व है? भारत में नवीकरणीय ऊर्जा परिवर्तन के निहितार्थ क्या हैं?

उत्तर का दृष्टिकोण:

- ❖ उत्तर के पहले भाग में भारत के ऊर्जा मिश्रण में कोयले के महत्व की चर्चा करें।
- ❖ दूसरे भाग में भारत में नवीकरणीय ऊर्जा परिवर्तन के निहितार्थ को स्पष्ट कीजिए।
- ❖ अंत में आगे की राह दिखाते हुए निष्कर्ष दें।

नोट : अभ्यास के लिए दिया गया मुख्य परीक्षा का प्रश्न आगामी UPSC मुख्य परीक्षा को ध्यान में रखकर बनाया गया है। अतः इस प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए आप इस आलेख के साथ-साथ इस टॉपिक से संबंधित अन्य स्रोतों का भी सहयोग ले सकते हैं।